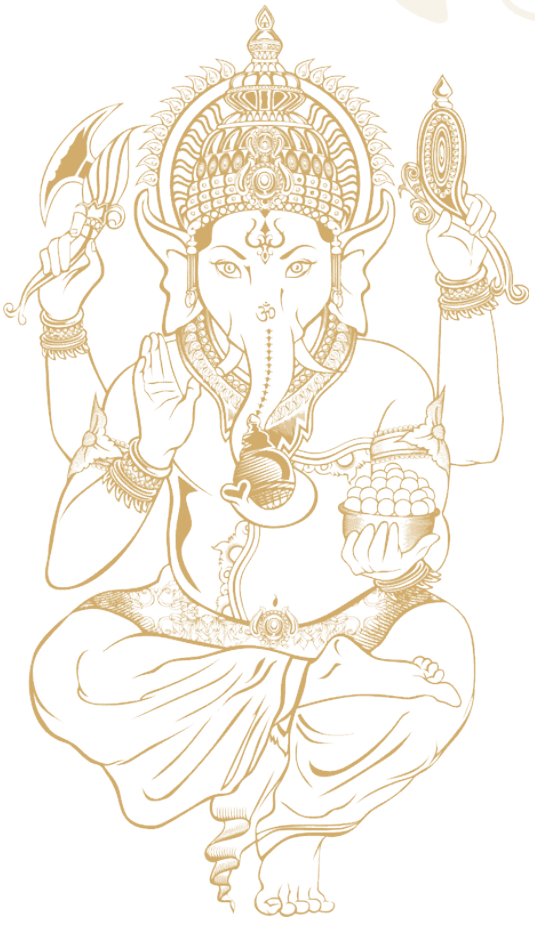

Mr. Tarichar

Ankita shri vastava

Model: Love-Horoscope

Order No: 121571301

Model: Love-Horoscope

Order No: 121571301 Date: 13/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/02/1994	जन्म तिथि	04/10/1995
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:05:00	जन्म समय	08:35:00 घंटे
घटी 00:46:19	जन्म समय(घटी)	06:04:57 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Datia
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	25:41:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	78:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:16:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:28	सूर्योदय	06:09:29
18:12:39	सूर्यास्त	18:00:16
23:46:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:00

कुम्भ	लग्न	तुला
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मिथुन	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
मृगशिरा	नक्षत्र	श्रवण
मंगल	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	धृति
गर	करण	वणिज
की-किशोर	जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	वानर
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 0मा 12दि		13:17:23	कुंभ	लग्न	तुला	18:05:08	चन्द्र 2वर्ष 8मा 19दि	
गुरु		08:24:49	कुंभ	सूर्य	कन्या	16:37:36	गुरु	
05/03/2013		04:41:54	मिथु	चंद्र	मक	19:42:28	23/06/2023	
05/03/2029		24:54:26	मक	मंगल	तुला	24:23:36	23/06/2039	
गुरु	23/04/2015	06:51:26	कुंभ व	बुध व	कन्या	18:36:22	गुरु	10/08/2025
शनि	03/11/2017	20:47:18	तुला	गुरु	वृश्चि	17:08:56	शनि	22/02/2028
बुध	09/02/2020	16:50:06	कुंभ	शुक्र	कन्या	28:29:23	बुध	30/05/2030
केतु	15/01/2021	08:59:03	कुंभ	शनि व	कुंभ	26:05:07	केतु	06/05/2031
शुक्र	16/09/2023	04:22:42	वृश्चि व	राहु व	तुला	02:47:17	शुक्र	04/01/2034
सूर्य	04/07/2024	04:22:42	वृष व	केतु व	मेष	02:47:17	सूर्य	23/10/2034
चन्द्र	03/11/2025	00:41:58	मक	हर्ष व	मक	02:43:43	चन्द्र	22/02/2036
मंगल	10/10/2026	28:31:12	धनु	नेप व	धनु	28:58:29	मंगल	28/01/2037
राहु	05/03/2029	04:16:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:52:53	राहु	23/06/2039

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:00

लग्न-चलित

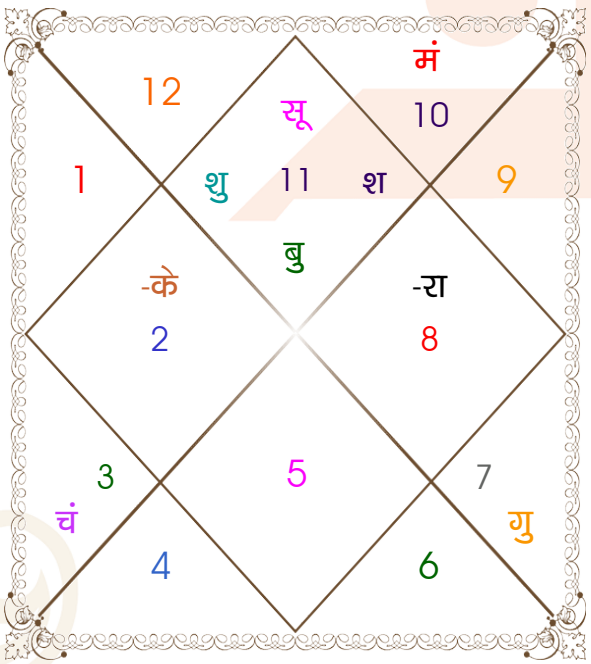

लग्न-चलित

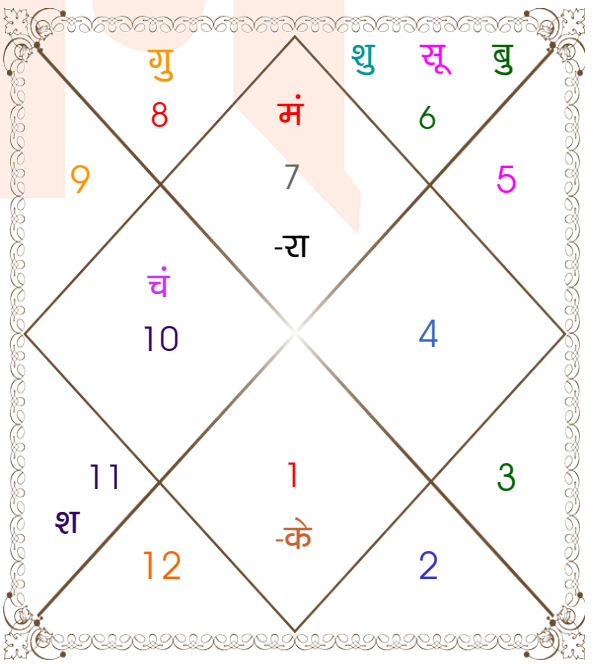

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

कुल : **24 / 36**

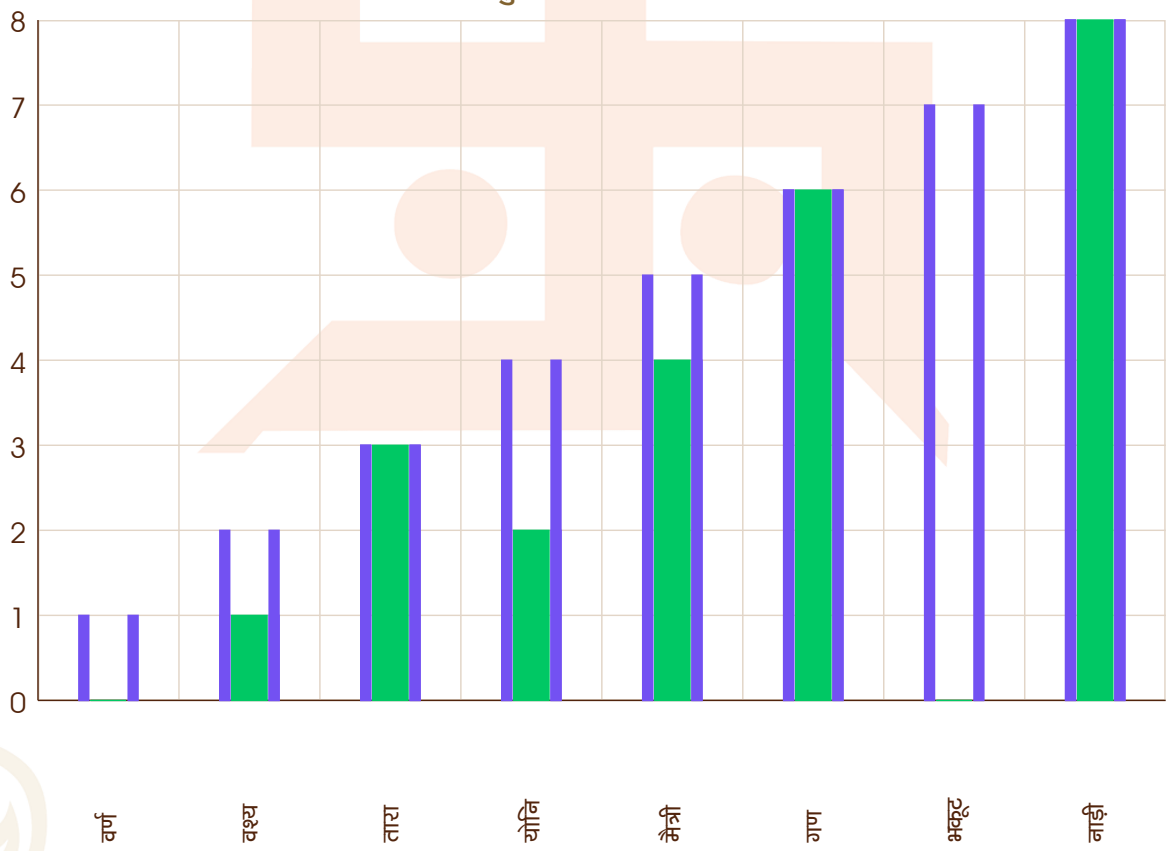

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण ज्ंतपबींत का वर्ग मार्जार है तथा ।दापर्जोतप अेंजंअं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ज्ंतपबींत और ।दापर्जोतप अेंजंअं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ज्ंतपबींत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण ज्ंतपबींत कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दापर्जोतप अेंजंअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।दापर्जोतप अेंजंअं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण ज्ंतपबींत कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ज्ंतपबींत तथा ।दापर्जोतप अेंजंअं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण ज्ंतपबींत का वर्ण शूद्र है तथा ।दापजं ेीतप अेंजंअं का वर्ण वैश्य है। क्योंकि ।दापजं ेीतप अेंजंअं का वर्ण डतण ज्ंतपबींत के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। ।दापजं ेीतप अेंजंअं अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह ।दापजं ेीतप अेंजंअं अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

डतण ज्ंतपबींत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ।दापजं ेीतप अेंजंअं का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें डतण ज्ंतपबींत एवं ।दापजं ेीतप अेंजंअं दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः डतण ज्ंतपबींत ।दापजं ेीतप अेंजंअं पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि डतण ज्ंतपबींत हमेश ।दापजं ेीतप अेंजंअं के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

डतण ज्ंतपबींत की तारा सम्पत तथा ।दापजं ेीतप अेंजंअं की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से डतण ज्ंतपबींत एवं ।दापजं ेीतप अेंजंअं दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। ।दापजं ेीतप अेंजंअं एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

डतण ज्ंतपबींत की योनि सर्प है तथा ।दापजं ेीतप अेंजंअं की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी

समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण ज्ंतपबींत का राशि स्वामी ।दापजं ेातप अेंजंअं के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि ।दापजं ेातप अेंजंअं का राशिस्वामी डतण ज्ंतपबींत के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

डतण ज्ंतपबींत का गण देव तथा ।दापजं ेातप अेंजंअं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

डतण ज्ंतपबींत से ।दापजं ेातप अेंजंअं की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा ।दापजं ेातप अेंजंअं से डतण ज्ंतपबींत की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को

भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। डतण ज्तपर्बीत एवं ।दापजं ीतप अेंजअं दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। डतण ज्तपर्बीत शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर ।दापजं ीतप अेंजअं बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

डतण ज्तपर्बीत की नाड़ी मध्य है तथा ।दापजं ीतप अेंजअं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण डतण ज्तपर्बीत एवं ।दापजं ीतप अेंजअं के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण ज्ंतपबींत की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा ।दापजं ेातप अेंजंअं की राशि भूमितत्व युक्त मकर राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु और भूमि तत्व में असमानता के कारण डतण ज्ंतपबींत ओर ।दापजं ेातप अेंजंअं के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेंगी। साथ ही मतभेदों में भी प्रबलता रहेगी जिससे संबंधों मे तनाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नही रहेगा।

डतण ज्ंतपबींत की जन्मराशि का स्वामी बुध तथा ।दापजं ेातप अेंजंअं की जन्मराशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र एवं समभाव मे पड़ते है अतः सम्बंधों में सामंजस्य स्थापित करके मधुरता में वृद्धि करने के लिए स्थिति सामान्यता अच्छी रहेगी। ऐसी स्थिति मे जहाँ ।दापजं ेातप अेंजंअं का भाव उदासीनता युक्त रहेगा वहाँ डतण ज्ंतपबींत पूर्ण सक्रियता से सुख शान्ति की वृद्धि में अपना सहयोग प्रदान करेगे।

डतण ज्ंतपबींत और ।दापजं ेातप अेंजंअं की राशियं परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। यह प्रबल भकुट दोष माना जाता है। अतः इससे डतण ज्ंतपबींत और ।दापजं ेातप अेंजंअं के परस्पर सम्बंधो मे अनावश्यक तनाव एवं कटुता रहेगी तथा वाद विवाद में भी इनका समय व्यतीत होगा उनमें मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी भिन्नता होगी जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में न्यूनता रहेगी अतः यदि डतण ज्ंतपबींत और ।दापजं ेातप अेंजंअं सहनशीलता और बुद्धिमता का पालन करें तो उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आ सकती है।

डतण ज्ंतपबींत का वश्य मानव तथा ।दापजं ेातप अेंजंअं का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता के भाव के कारण डतण ज्ंतपबींत और ।दापजं ेातप अेंजंअं के स्वभाव तथा अभिरूचियों में स्वाभाविक अन्तर रहेगा फलतः एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे। साथ ही मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न रखने मे असमर्थ रहेंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा।

डतण ज्ंतपबींत का वर्ण शुद्र तथा ।दापजं ेातप अेंजंअं का वर्ण वैश्य है। अतः डतण ज्ंतपबींत किसी भी कार्य को करने में ईमानदारी तथा परिश्रम की प्रवृति रखेंगे वहीं ।दापजं ेातप अेंजंअं किसी भी कार्य को व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगी तथा धनार्जन के कार्यो में तत्पर रहेंगी।

धन

डतण ज्ंतपबींत सम्पत तथा ।दापजं ेातप अेंजंअं अतिमित्र तारा में उत्पन्न हुए है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इनका भकूट सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से इनकी स्थिति रहेगी लेकिन मंगल का

डतण ज्तपबींत की आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव होगा जिससे यदा कदा वे आर्थिक विषमता का सामना कर सकते हैं।

डतण ज्तपबींत भाग्यवान तथा धनाढ्य व्यक्ति होंगे तथा ादापजं ीतप अेंजंअं के शुभ प्रभाव से धनऐश्वर्य की अभिवृद्धि करने में सफल होंगे। साथ ही अनायास धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे। लेकिन डतण ज्तपबींत को अपनी व्ययशील प्रवृति पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

डतण ज्तपबींत की नाड़ी मध्य तथा ादापजं ीतप अेंजंअं की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से मुक्त रहेंगे अतः गंभीर शारीरिक कष्ट से सुरक्षित रहेंगे लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही संभोग क्रिया में भी दोनों शिथिलता तथा उदासीनता प्रदर्शन का करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अल्पता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त ादापजं ीतप अेंजंअं के गर्भपात की भी संभावना रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने के लिए डतण ज्तपबींत और ादापजं ीतप अेंजंअं दोनों को हनुमान की उपासना, मंगलवार के उपवास तथा मूंगा आदि धारण करना चाहिए। इससे अशुभ प्रभावों में न्यूनता तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण ज्तपबींत और ादापजं ीतप अेंजंअं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण ज्तपबींत और ादापजं ीतप अेंजंअं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ादापजं ीतप अेंजंअं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ादापजं ीतप अेंजंअं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ादापजं ीतप अेंजंअं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण ज्तपबींत और ादापजं ीतप अेंजंअं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण ज्तपबींत और ादापजं ीतप अेंजंअं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ादापजं ेतिप अेंजअं के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही ादापजं ेतिप अेंजअं सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में ादापजं ेतिप अेंजअं को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि ादापजं ेतिप अेंजअं धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से ादापजं ेतिप अेंजअं के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्विमता से ही ादापजं ेतिप अेंजअं ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

डतण ज्तपबींत के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा डतण ज्तपबींत अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी डतण ज्तपबींत का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में डतण ज्तपबींत का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि डतण ज्तपबींत तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में डतण ज्तपबींत के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

लग्न फल

Mr. Tarichar

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कुंभ लग्न, मकर नवमांश एवं मिथुन राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा आभास मिल रहा है कि आपका जीवन आरामदायक एवं संतोषप्रद रहेगा। आप अपने जीवन में बहुत कुछ उपार्जन कर अपना भंडार पूर्ण करेंगे।

आप अपने गृहस्थ जीवन में बहुत अधिक प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। आप सौभाग्य युक्त उत्तम पत्नी एवं अपनी योग्य संतान प्राप्ति का गर्व होगा। आप अपने घर परिवार को प्रसन्नतम एवं शांतिमय बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में धन का व्यय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की अभिलाषा के अनुरूप सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे।

यह आशा है कि कुंभ राशीय प्रभाव के अनुसार आप धनवान होकर, सुखद जीवन यापन करेंगे। मुख्यतः आपके जीवन के 28 वें वर्ष से आप अपने कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में उन्नति प्राप्त कर के प्रतिष्ठा, शक्ति एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप विश्वसनीयता पूर्वक जिस कार्य उद्देश्य के पीछे समर्पित हैं। उस स्रोत से सफलता प्राप्ति हेतु आपको धैर्य धारण कर दृढ़तापूर्वक कार्यरत रहना पड़ेगा। आप निष्पक्ष भाव से कठिन श्रम करेंगे, तब ही आप जिस कार्य-प्रस्ताव पर हस्ताक्षरित करेंगे उस कार्य में सफल हो सकते हैं।

जन सामान्य आपकी आक्रमणशील भाव एवं बात-चीत के कारण आपकी अभिरूचि को आपकी गलती समझकर आपको बुनियादी गुण एवं विश्वासनीयता एवं स्पष्ट कार्य शौली से अनभिज्ञ रह कर आपकी मनोवृति को गलत समझेंगे। जब कभी अपने प्रतिद्धंदी से भेद-भाव रखेंगे तब वे आपकी शक्ति को मात्र प्रतिकारी एवं आपके नितृत्व को सफलता हेतु उपर उठना समझेंगे।

आप सदैव अन्यों की अपेक्षा दूरवर्त्ती सीमा से भी आगे आने के लिए नवीनतम रूप रेखा तैयार करेंगे। आपका अपना अलग ही रास्ता चिंतन और व्यवहार शक्ति है, जिससे आप हतोत्साहित नहीं होंगे। एक बार जब आप अपने अच्छे विचार से किसी कार्य को कार्यानुरूप उपयुक्त समझ लेंगे। पुनः उसको कार्यरूप दे देंगे। आप निरर्थक रूप से किसी भी कार्य में आगे-पीछा (हिचकिचाहट) करना बेकार समझ कर आप नैतिकता के आधार पर उस कार्य को पूर्ण रूपेण उपयुक्त समझ कर विचार करेंगे।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में उपयुक्त एवं अनुकूल कार्य सामान्य ज्ञान का कार्य, पराविज्ञान, ज्योतिष, खगोलीय विद्या, स्थिर विज्ञान एवं वायु यात्रा की एजेंसी आदि से संबंधित कार्य है।

आपका स्वास्थ्य सामान्यतया निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। परंतु आपको ऐसी

संभावना को अंगीकृत कर के चलना चाहिए। आपको कतिपय रोगादि जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, गांठों की जोड़, गठिया-वायु, रक्तचाप एवं हृदय संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसी पूरी संभावना है कि आप निश्चित रूप से किसी प्रकार की दुर्घटना से पीड़ित हो सकते हैं। क्योंकि आपके साथ किसी भी प्रकार की चोट-जख्म आदि की आशंका है। अतः आपको इन आशंकाओं के प्रति सर्तक रहना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में उपयुक्त एवं भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग अनुकूल है। परंतु नारंगी, हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक सर्वथा त्यागनीय है।

Ankita shri vastava

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंक ज्योतिष फल

Mr. Tarichar

आपका जन्म दिनांक 21 हैं। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विद्वान व्यक्ति कहलायेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगे। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चले जायेंगे। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति रहेंगे एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगे कि वह भी अनुशासन में रहें । आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति होंगे। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगे। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगे और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित करेंगे।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगे एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

Ankita shri vastava

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहू एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगीं जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील महिला के रूप में जानी जायेंगी तथा आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगी तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगी।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों की विरोधी रहेंगी तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगी। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगी लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगी। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगी तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगी।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगी। लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अन्नविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा। स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

Mr. Tarichar

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाले स्पष्ट वक्ता होंगे। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाले शूरवीर व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे। आपका जीवन चक्र एक राजा की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचार धारा पर निर्भीक चलेंगे। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी। एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगे। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगे। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगे, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

Ankita shri vastava

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किश्म की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगी। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगी। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्तिवश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।